उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत गायन–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)
(विषय कोड–12)

1. भारतीय संगीत का उद्भव एवं विकास (ऐतिहासिक विवेचन)।
2. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की पूर्ण व्याख्या संगीत, नाद, श्रुति, स्वर, अलंकार, सप्तक, थाट, राग, आलाप, तान, जाति, ग्राम, मूर्छना, गमक, मार्गी, देशी, रागांग, भरत कृत सारणा चतुष्टयी, ध्वनि विवर्तन, अनुनाद, इष्ट एवं अनिष्ट स्वर।
3. 'निम्न रागों का अध्ययन, विशेषता स्वर विस्तार, राग की बढ़त एवं आलाप तान सहित लिपिबद्ध करने की क्षमताश। स्वर के छोटे–छोटे टुकड़ों के माध्यम से राग पहचानने की निपुणता। श्राग का सरगम, गीत, आरोह–अवरोह, पकड़ की जानकारी'।
   राग बिलावल, भूपाली, काफी, आसावरी, यमन, भैरव, बिहाग, भीमपलासी, मालकौंस. केदार, पूर्वी, जौनपुरी, भैरवी, हमीर का पूर्ण अध्ययन।
4 निम्न तालों की पूर्ण जानकारी दादरा, कहरवा, रूपक, झूमरा, झपताल, सूलताल, एकताल, चारताल, धमार, दीपचन्दी, आड़ावारताल, पंचमसवारी, गजझम्पा, तीनताल व तिलवाड़ा।
   ताल, मात्रा, लय, आवर्तन, ताली, खाली आदि पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या एवं तालों की दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ लयकारी निकालने की जानकारी।
5. गीत की विभिन्न शैलियोंः ध्रुपद, धमार, ख्याल, सरगम, टप्पा, ठुमरी, तराना, चतुरंग, होली, भजन, कजरी गीत की जानकारी।
6. तानपूरा, तबला, हारमोनियम वाद्य का सामान्य अध्ययन।
7. कर्नाटक एवं हिन्दुस्तानी स्वरों का अध्ययन।
8. प्रमुख संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान तानसेन, स्वामी हरिदास, पं० विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, पं० ओंकारनाथ ठाकुर, मतंग, अहोबल, अमीर खुसरो।

UTTAR PRADESH EDUCATION SERVICE SELECTION COMMISSION
PRAYAGRAJ

-: Syllabus :-

MUSIC VOCAL TGT (Subject Code-12)

(1) History :- Origin and Development of Indian music (Historical Analysis).

(2) Technical Terms :- Complete explanation of terms: Sangeet, Naad, Shruti, Swar, Alankar, Saptak, Thaat, Raag, Alaap, Taan, Jaati, Gram, Murchana, Gramek, Margi, Desi, Raggang, Bharat's Sarana Chatushtayi, Sound Reflection, Resonance, Ist and Anisht Swar.

(3) Raag Study :- Detailed Study of the following Raag, including Swar vistar, Raag Development and notation with Alap and Taan, Proficiency in Identifying Raags through Short melodic Phrases, knowledge of Sargam Geet, Aaroh - Avroh, and Pakad.

Raag Bilawal, Bhupali, Kafi, Asavari, Yaman, Bhairavi, Bihag, Bhimpalasi, Malkauns, Kedar, Purvi, Jaunpuri, Bhairavi, and Hamir.

(4) Taal Study :- comprehensive knowledge of the following Taals: Dadra, Kaharwa, Rupak, Jhumra, Jhaptal, Sultal, Ektaal, chautaal, Dhamar, Deepchandi, Adachautal, Pancham Sawari, Gajhampa, Teental, and Tilwada.

i. Explanation of term : Taal, Matra, Laya, Avartan, Tali, Khali etc.

ii. Knowledge of calculating rhythmic variation (Laykari): Dugun, Tigun, Chaugun, and Aad.

(5) Singing Style :- Knowledge of various styles: Dhrupad, Dhamar, Khayal, Sargam, Tappa, Thumri, Tarana, chaturang, Holi, Bhajan and Kajri.

(6) Instruments :- General Study of Tanpura, Tabla, and Harmonium.

(7) Comparison :- Study of Carnatic and Hindustani Swaras (Notes).

(8) Biographies :- Life History and musical contribution of Prominent musicians.

Tansen, Swami Haridas, Pt. Vishnu Digambar Paluskar, Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande, Pt. Omkarnath Thakur, Matang, Ahobal and Amir khusro.